राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–172/2024

राजभवन में 'बिहार की दृष्टि से केन्द्रीय बजट का सूक्ष्म विश्लेषण' विषय पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन

पटना, 26 अगस्त, 2024 :– ''केन्द्रीय बजट से अवगत होने के क्रम में हमें सिर्फ टैक्स–स्लैब की जानकारी तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि इसकी गूढ़ बातों की भी हममें समझदारी होनी चाहिए। इस बजट के जरिये हम अपने समग्र विकास की रूपरेखा तैयार करते हैं एवं अपने भविष्य के निर्माण के सपनों को साकार करना सुनिश्चित करते हैं।'' –उक्त उद्‌गार, माननीय राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने आज राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित 'राजभवन संवाद श्रृंखला' के तहत ''Decoding Indian Budget from the Prism of Bihar'' (बिहार की दृष्टि से केन्द्रीय बजट का सूक्ष्म विश्लेषण) विषयक संवाद कार्यक्रम का उद्‌घाटन करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने अपने उद्‌घाटन–संबोधन में कहा कि हम आज भी आयकर के स्लैबों तक में ही अपनी अभिरूचि रखते हैं परंतु हमें बजट को गहराई से समझने की जरूरत है, चूँकि इसी के जरिये हमारे समग्र विकास की रूपरेखा तैयार होती है तथा हम अपने भविष्य को सँवारते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि राजभवन आगे भी देश और समाज के ज्वलंत विषयों पर संवाद–श्रृंखला का आयोजन करता रहेगा ताकि लोक–संवाद के जरिये जन–जागरण का भी काम होता रहे। इस क्रम में उन्होंने 'नये क्रिमिनल लॉ' (भारतीय न्याय संहिता) का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें ऐसे विषयों पर गहराई से सोचना–विचारना चाहिए। राज्यपाल ने बुद्धिजीवियों से अनुरोध किया कि आप हमें देश और समाज के ज्वलंत विषय सुझावें ताकि हम इस कार्यक्रम को आगे और भी सार्थक और प्रभावी रूप से आयोजित कर सकें।

कार्यक्रम में बोलते हुए राज्य के उद्योग तथा पर्यटन विभाग के मंत्री श्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि बिहार के बजट का आकार भी आज काफी बढ़ गया है। केन्द्रीय करों में भी हमें काफी बेहतर हिस्सेदारी मिल रही है।

आगे पृष्ठ...2 पर

कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए पैनल डिस्कशन के दौरान प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् (EAC-PM) की सदस्या डॉ० शमिका रवि ने कहा कि केन्द्रीय बजट में बिहार के विकास की असीम संभावनाएँ व्याप्त हैं। उन्होंने मानव विकास सूचकांक, आधारभूत संरचना, महिला सशक्तीकरण आदि दृष्टियों से बिहार के विकास को रेखांकित करते हुए कहा कि राज्य को कृषि–विकास के साथ–साथ औद्योगिक विकास पर भी पर्याप्त ध्यान देना चाहिए। इस क्रम में उन्होंने सड़क–सम्पर्कता, विद्युत, विधि–व्यवस्था आदि प्रक्षेत्रों में राज्य की प्रगति को स्वीकारते हुए राज्य में सांस्कृतिक महत्व के पर्यटकीय स्थलों के विकास, कृषि एवं उसके अनुषंगी प्रक्षेत्रों के बहुमुखी विकास, रोजगार–सृजन आदि पर विशेष ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया।

कार्यक्रम में बोलते हुए बंधन बैंक लिमिटेड के प्रबंध निदेशक–सह–मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी श्री रतन कुमार केश ने राज्य के सांस्कृतिक पर्यटकीय स्थलों के विकास पर जोर दिया ताकि रोजगार सृजित हों और राज्य आर्थिक रूप से भी सुदृढ़ हो।

कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र भी था जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों से आये प्राध्यापकों, शोध–छात्रों, बुद्धिजीवियों आदि ने पैनल के सभी वक्ताओं से केन्द्रीय बजट के संदर्भ मे अपने सवाल भी पूछे। वक्ताओं ने प्रश्नकर्त्ताओं को समुचित रूप से उत्तरित किया।

कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्रतिकुलपति अधिकारीगण, प्राध्यापकगण, राज्य के बुद्धिजीवीगण आदि ने भाग लिया। कार्यक्रम में मॉडरेटर के रूप में श्री प्रभात कुमार ने बखूबी तकनीकी सत्र का संचालन किया।

कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री रॉबर्ट एल० चोंग्थू ने स्वागत भाषण एवं धन्यवाद ज्ञापन किया, जबकि संचालन श्री शैलेश कुमार ने किया। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन माननीय राज्यपाल ने दीप प्रज्वलित कर भारतमाता की तस्वीर पर माल्यार्पण करते हुए किया।

.....